International Journal of Home Science 2020; 6(3): 458-459

International Journal of Home Science

ISSN: 2395-7476
IJHS 2020; 6(3): 458-459
© 2020 IJHS
www.homesciencejournal.com
Received: 06-08-2020
Accepted: 18-09-2020

अंजू कोहली
शोध छात्रा गृह विज्ञान, महर्षि सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

तृप्ती सिंह
विभागाध्यक्ष, आर0बी0एस0 कालेज, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत

नीलमा कुँवर
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, ईसीएम, गृह विज्ञान महाविद्यालय, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
अंजू कोहली
शोध छात्रा गृह विज्ञान, महर्षि सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

पारिवारिक धन व्यवस्थापन एवं भोजन सम्बन्धी बजट का निर्णय लेने में कालेज जाने वाली छात्राओं का योगदान

अंजू कोहली, त्प्ती सिंह एवं नीलमा कुँवर

सारांश
पारिवारिक वित्तीय प्रबंधन गृह प्रबंधन के अंतर्गत आने वाली एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। पारिवारिक वित्तीय प्रबंधन का अर्थ है पारिवारिक धन का कुशल एवं प्रभावी प्रबंधन करना जिससे परिवार एवं परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं एवं उद्देश्यों की पूर्ति हो सके। पारिवारिक वित्तीय प्रबन्धन मुख्यतः पारिवारिक आय और आय और व्यय से सम्बन्धित रहता है। वर्तमान में सभी साधनों में धन सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन है। धन द्वारा ही सभी वस्तुएं जैसे भोजन, वस्त्र, मकान आदि खरीदे जा सकते हैं अर्थात हम कह सकते हैं कि धन हमारी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। इसलिए धन का उचित प्रबंधन करना अनिवार्य है ताकि पारिवारिक आय और व्यय में एक संतुलन बना रहे।

मुख्य शब्दः – धन व्यवस्थापन, बजट, योगदान

प्रस्तावनाः–
पारिवारिक वित्तीय प्रबन्धन का उद्देश्य पारिवारिक आय और व्यय में संतुलन स्थापित करना होता है। यदि खर्च आय से अधिक होता है तो परिवार के सदस्यों में आर्थिक असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है। उचित आयोजन, नियंत्रण और मूल्यांकन द्वारा पारिवारिक आय और व्यय में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। उपलब्ध पारिवारिक आय से परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना वित्तीय प्रबन्धन का मुख्य उद्देश्य होता है। उपलब्ध आय से आवश्यकताओं की पूर्ति होने पर परिवार के सदस्यों को संतोष प्राप्त होता है। जिस परिवार में वित्तीय प्रबन्धन अच्छे ढ़ंग से किया जाता है, उस परिवार में बचत भी होती है। बचत से जो धनराशि जमा की जाती है, उसका प्रयोग परिवार के सदस्यों द्वारा भविष्य में किया जाता है। परिवार में बचत तभी होती है, जब पारिवारिक व्यय पारिवारिक आय से कम हो। बचत द्वारा परिवार के सदस्यों में आर्थिक सुरक्षा की भावना भी उत्पन्न होती है।

उद्देश्य
- पारिवारिक धन व्यवस्थापन एवं बजट तथा बचत सम्बन्धी निर्णय लेने में छात्राओं का योगदान ज्ञात करना।

अध्ययन पद्धति
यह अध्ययन गोरखपुर जिले के 6 महिला कालेजो में अध्ययनरत 300 छात्राओं पर किया गया है जो धन व्यवस्थापन और बजट बनाने में अपना योगदान देती हैं। इसमें चर और अचर आश्रितों का उपभोग किया गया है। सांख्यकीय उपकरण प्रतिशत, मध्य आदि का उपयोग किया गया है।

परिणाम

सारिणी–1 छात्राओं का संकाय अनुसार वर्गीकरण

संकाय	संख्या	प्रतिशत
कला	93	31.0
गृह विज्ञान	72	24.0
तकनीकी	27	9.0
बी0एड0	15	5.0
वाणिज्य	9	3.0
विज्ञान	72	24.0
चिकित्सा (डायटिटिक्स)	12	4.0
कुल	300	100.0

छात्राओं का संकाय अनुसार वर्गीकरण करने पर 31 प्रतिशत छात्रों कला संकाय, 24 प्रतिशत गृह विज्ञान, 9 प्रतिशत तकनीकी, 5 प्रतिशत बी0एड0, वाणिज्य की 3 प्रतिशत, 24 प्रतिशत विज्ञान की तथा 4 प्रतिशत चिकित्सा क्षेत्र की थीं।

सारिणी–2 छात्राओं का परिवार द्वारा लिए गए निर्णय का स्वागत

निर्णय का स्वागत	अंक	संख्या	प्रतिशत
हाँ	2	158	52.7
नहीं		–	–
कभी–कभी	1	142	47.3
कुल		300	100.0

52.3 प्रतिशत छात्रायें ऐसी है जिनके निर्णय का परिवार स्वागत करता है जबकि 47.3 प्रतिशत छात्रायें ऐसी हैं जिनके द्वारा लिए गए निर्णय का स्वागत परिवार कभी–कभी करता है।

सारिणी–3 घर में बजट बनाना

बजट बनाना	अंक	संख्या	प्रतिशत
हाँ	3	216	72.0
कुछ परिस्थितियों में	2	15	5.0
कभी–कभी	1	69	23.0
कुल		300	100.0

72 प्रतिशत छात्रायें ऐसी है जिनके यहां बजट बनता है, 5 प्रतिशत के यहां कुछ परिस्थितियों में बनता है तथा 23 प्रतिशत के यहां कभी–कभी बजट बनता है।

सारिणी–4 परिवार में भोजन का बजट बनाना

भोजन का बजट बनाना	अंक	संख्या	प्रतिशत
स्वयं	3	66	22.0
माता	2	140	46.6
पिता	4	36	12.0
माता–पिता	5	58	19.3
अन्य	1		
कुल		300	100.0

परिवार में भोजन का बजट 22 प्रतिशत छात्रायें स्वयं बनाती है वहीं 46.6 प्रतिशत के घरों में माता बजट बनाती है, 12 प्रतिशत के यहां पिता, 19.3 प्रतिशत के यहां माता–पिता दोनों भोजन का बजट बनाते हैं।

निष्कर्ष

पारिवारिक आय के अनुसार व्यय करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। पारिवारिक धन का प्रबंधन करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आय से अधिक व्यय न हो और परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो। धन के उपयोग की मुख्य रूप से पांच विधियां दी गयी हैं जिनमें से पारिवारिक आर्थिक योजना या बजट को सर्वश्रेष्ठ विधि माना गया है। धन का प्रयोग करते समय धन कहां और कितना व्यय हो रहा है, इस बात का हिसाब किताब रखना भी बहुत जरूरी होता है।

सुझाव

1. यदि माता–पिता घर में लड़कियों को भी वही सब समान हक दें जो परिवारों में लड़कों को दिए जाते हैं, उन्हें प्रत्येक निर्णय में सहभागी बनायें, बच्चों को समानता की भावना से पालें तो किशोरियं भी सही एवं त्वरित निर्णय लेंगी।
2. यह देखा जाता है कि लड़की घर से बाहर भले ही कितनी उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुकी हो फिर भी कुछ निर्णय जैसे विवाह, बचत, आवास में उनकी सहभागिता नहीं होती जोकि मानसिक संकीर्णता का ही परिणाम है जिसे बदलना चाहिए।

संदर्भ

1. अमोकोन, जोल; एजिमकोर, गॉडफ्रे और हार्डी, डेरिक (2017). ''कालेज के छात्रों के भोजन व्यय पैटर्न की खोज'', यूरोपीय वैज्ञानिक जर्नल, 10,19,044/esj. 2017.clp221
2. मुरथी, एस0 (2018). ''कालेज के छात्रों के निर्णय लेने के कौशल पर एक अध्ययन उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित है''। नवीन शोध अन्वेषक की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका आईएसएसएन सं0 2347–6060 वोल्यूम 5, इश्यू 4, अप्रैल/2018, http://ijire.org.